KRANTI GURU SHYAMJI KRISHNA VERMA

KACHCHH UNIVERSITY

BHUJ

NEP 2020 CREDIT STRUCTURE

FOR

B. A. (U.G.)

JUNE: 2024

U.G. COURSE S IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

(S.Y.B.A. Course s: Semester III TO IV)

BY

BOARD OF STUDIES HINDI

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्णवर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज

हिंदी विषय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम प्रारूप एवम् संरचना

हिंदी अभ्यास समिति

नई शिक्षा नीति NEP के तहत

द्वितीय वर्ष सेम ३ तथा ४ के लिए

वर्ष २०२४-२५

क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्णवर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (BA) हिंदी

द्वितीय वर्ष S.Y.B.A. सेमेस्टर 3 (छः माही सत्र) प्रश्नपत्र प्रारूप

Course Type	Course Code Title	Credit	Exam Hours	Internal	External	Passing 36%	Total
Discipline Specific Course Major	MJHN 301 प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य (Ancient & Medieval Hindi Poetry)	4	2.00	50	50	18/18	100
	MJHN302 Hindi हिन्दी साहित्य और नारी विमर्श (Literature & Women Discourse)	4	2.00	50	50	18/18	100
	MJHN303 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल) [History of Hindi Literature (Pre Medieval & Devotional)]	4	2.00	50	50	18/18	100
Multi-Disciplinary	MDHN301 हिन्दी प्रहसन नाटक और भाषा संरचना (Hindi Skit Play & Language Structure)	4	2.00	50	50	18/18	100
AEC	AECHN301 हिन्दी कहानी एवं भाषागत सज्जता (Hindi Story & Linguistic Finesse)	2	1.00	25	25	09/09	50
SEC	SECHN301 अनुवाद कौशल (Translation Skill)	2	1.00	25	25	09/09	50
IKS	IKSHN301 हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं भाषा संरचना (National poetry stream and language structure of Hindi)	2	1.00	25	25	09/09	50
Total Credits		22		275	275	99/99	550

क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्णवर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (BA) हिंदी

द्वितीय वर्ष S.Y.B.A. सेमेस्टर 4 (छः माही सत्र) प्रश्नपत्र प्रारूप

Course Type	Course Code Title	Credit	Exam Hours	Internal	External	Passing 36%	Total
Discipline Specific Course Major	MJHN401 मध्यकालीन हिन्दी काव्य (Medieval Hindi Poetry)	4	2.00	50	50	18/18	100
	MJHN402 हिन्दी एकांकी साहित्य (Hindi One Act Literature)	4	2.00	50	50	18/18	100
	MJHN403 [हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल और रीतिकाल)] [History of Hindi Literature (Devotional & Ritualistic Era)]	4	2.00	50	50	18/18	100
Disciplinary Specific Elective Minor	MNHN401 हिन्दी एकांकी साहित्य (Hindi One Act Literature)	4	2.00	50	50	18/18	100
AEC	AECHN401 हास्य व्यंग्य निबंध-भाषा संरचना (Humorous Satirical Essays- Language Structure)	2	1.00	25	25	09/09	50
SEC	SECHN401 औपचारिक अनौपचारिक पत्रलेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली (Formal, Informal Letter Writing & Terminology)	2	1.00	25	25	09/09	50
VAC	VACHN401 हिन्दी साहित्य और बाल मनोविज्ञान (Hindi Literature & Child Psychology)	2	1.00	25	25	09/09	50
Total Credits		22		275	275	99/99	550

SYEXHN Exit Course for students wanting to quit at the end of 4th Semester

पाठ्यक्रम

सेमेस्टर- ३

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in	2023		
विषय कोड	MJHN-301		विषय नाम	प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य (Ancient & Medieval Hindi Poetry)					
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0		60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी के प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य की जानकारी देना। छात्रों को हिंदी के प्राचीन और मध्यकालीन कवियों के साहित्य सृजन से अवगत करवाना। छात्रों को तदयुगीन साहित्य के काव्य रूपों, छंदों, अलंकारों भाषा आदि का ज्ञान होगा । छात्रों को काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी देकर समाज और राष्ट्र उत्थान के लिए प्रेरित होंगे।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक:-प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य संपादक:-डॉ.वीरेन्द्रनारायण सिंह प्रकाशन:-धूमिल प्रकाशन, अहमदाबाद									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	कबीरदास, जायसी, सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व इकाई २,३,४ के पठित पदों की ससंदर्भ व्याख्या	15
2	कबीरदास के पद -१ से २५ पद	15
3	जायसी के पद - नागमती वियोग खंड पूरा	15
4	सूरदास के पद -१ से ११ पद	15

संदर्भ-ग्रंथ
➢ हिंदी साहित्य का इतिहास - सं: डॉ.नगेन्द्र- नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली ➢ हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली। ➢ हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - आ.गुलाबराय- राजकमल प्रकाशन -दिल्ली। ➢ कबीर और जायसी- डॉ.पुरुषोतम बाजपेयी - चन्द्रलोक प्रकाशन- कानपुर। ➢ जायसी एक नई दृष्टि - रघुवंश - लोकभारती प्रकाशन- इलाहाबाद। ➢ जायसी ग्रंथावली - आ.रामचंद्र शुक्ल - वाणी-दिल्ली।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित	१०	५०	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन अंक- ५०	१००
२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०			
३	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो)	१०			
५	वस्तुनिष्ठ प्रश्न एक वाक्य - रिक्त स्थान (बारह में से दस)	१०			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	MJHN-302		विषय नाम			हिन्दी साहित्य और नारी विमर्श (Hindi Literature & Women Discourse)			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0		60	Practical	00	00	00

Pre-requisites:
NIL
Learning Outcome:
छात्रों को हिंदी नाटक स्वरूप, उद्भव-विकास परम्परा से अवगत होंगे । छात्रों को जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। छात्रों को स्त्री की स्वाधीनता, अस्मिता, सम्मान, आदर्श चरित्र, नैतिक मूल्यों एवं अधिकारों की जानकारी प्राप्त होंगी एवं न्याय, नीति, विवेकहीन शासकों से अवगत करवाना। छात्रों में नाट्यकृति का आस्वादन करने की दृष्टि का विकास करना।
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम
पाठ्य पुस्तक:-ध्रुवस्वामिनी लेखक:जयशंकर प्रसाद प्रकाशन:-वाणी प्रकाशन-नई दिल्ली

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	नाटककार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ध्रुवस्वामिनी की कथावस्तु ध्रुवस्वामिनी की नाट्यकला	15
2	ध्रुवस्वामिनी का चरित्र चित्रण कोमा का चरित्र चित्रण रामगुप्त और चन्द्रगुप्त का चरित्र चित्रण	15
3	ससंदर्भ व्याख्या	15
4	ध्रुवस्वामिनी नाटक की रंगमंचीयता ध्रुवस्वामिनी शीर्षक ध्रुवस्वामिनी नाटक में व्यक्त नारी समस्याएँ (उद्देश्य)	15

	ध्रुवस्वामिनी नाटक की प्रासंगिकता	

संदर्भ-ग्रंथ

- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा -सरस्वती मंदिर -बनारस
- जयशंकर प्रसाद चिंतन व कला - इन्द्रनाथ मदान -हिंदीभवन -इलाहाबाद।
- जयशंकर प्रसाद और ध्रुवस्वामिनी: फूलचंद जैन सारंग - विनोद पुस्तक मंदिर-आगरा।
- प्रसाद साहित्य में आदर्शवाद एवं नैतिक दर्शन - उमेश शास्त्री, देवनगर प्रकाशन-जयपुर।
- ध्रुवस्वामिनी एक अध्ययन - डॉ.सोमाभाई पटेल - कलपन प्रकाशन -गोजारिया।
- ध्रुवस्वामिनी में कला, संस्कृति और दर्शन-द्वारिका प्रसाद सक्सेना - विनोद पुस्तक मंदिर - आगरा।
- प्रसाद के नाटक सर्जनात्मक धरातल और भाषिक चेतना - गोविन्द चातक -आत्माराम एंड सन्स - दिल्ली।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	ससंदर्भ व्याख्या अथवा ससंदर्भ व्याख्या **(तीसरे यूनिट से)**	१०	५०	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन ५० अंक	१००
२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न **(पहले यूनिट से)**	१०			
३	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न **(दूसरे यूनिट से)**	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो) **(चौथे यूनिट से)**	१०			
५	वस्तुनिष्ठ प्रश्न- (बारह में से दस)	१०			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	MJHN-303		विषय नाम			विषय - हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल) (History of Hindi Literature (Pre-Medieval & Devotional)			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
Computer lab									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास, काल विभाजन और नामकरण से अवगत होंगे । छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास के उद्भव-विकास से परिचित होंगे । छात्रों को हिंदी साहित्य की आदिकालीन साहित्य परंपरा से अवगत होंगे । छात्रों को आदिकालीन विविध परिस्थितियों की जानकारी देना। छात्रों को हिंदी साहित्य की काव्य प्रवृतियों से अवगत होंगे । छात्रों को भक्तिकालीन विविध परिस्थितियों की जानकारी देना। छात्रों को रासो साहित्य की जानकारी देना। छात्रों को आदिकालीन साहित्यकारों की जानकारी देना।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल विभाजन आदिकाल - परिस्थितियां आदिकाल - नामकरण आदिकालीन वीर रसात्मक साहित्य की प्रवृतियाँ	15
2	रासो अर्थ, परिभाषा, प्रमुख रासो ग्रंथों का परिचय आदिकालीन लौकिक साहित्य	15

	अमीर खुसरो का साहित्यिक योगदान चंदबरदाई और उनका पृथ्वीराज रासो	
3	भक्ति, आविर्भाव - उद्‌भव - वैचारिक पृष्ठभूमि ज्ञानमार्गी - संतमार्गी काव्य की विशेषताएँ प्रमुख ज्ञानमार्गी कवि कबीरदास का परिचय	15
4	सूफी - प्रेममार्गी: अर्थ - काव्य प्रवृतियाँ सूफी कवियों का सामान्य परिचय प्रमुख प्रेममार्गी कवि जायसी का परिचय	15
संदर्भ-ग्रंथ		

- हिंदी साहित्य का इतिहास - सं- डॉ.नगेन्द्र-नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - आ.गुलाबराय - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।
- कबीर और जायसी- डॉ.पुरुषोत्तम बाजपेयी - चन्द्रलोक प्रकाशन-कानपुर।
- जायसी एक नई दृष्टि - रधुवंश - लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।
- जायसी ग्रंथावली - आ. रामचंद्र शुक्ल - वाणी-दिल्ली।
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्‌वारिका प्रसाद सक्सेना - लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

<table>
<tr><td colspan="3">बाह्य परीक्षा</td><td colspan="2"></td><td>आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रश्न क्रम</td><td>प्रश्न प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td><td>कुल अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (पहले यूनिट से)</td><td>१०</td><td rowspan="5">५०</td><td rowspan="5">-स्वाध्याय,
-परियोजना
-लिखित परीक्षा
-ग्रुप चर्चा
-उपस्थिति
-बहुविध पद्‌धति से मूल्यांकन</td><td rowspan="5">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (दूसरे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (तीसरे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो) (चौथे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>वस्तुनिष्ठ प्रश्न -एक वाक्य -रिक्त स्थान (१ से ४ यूनिट से)(बारह में से दस)</td><td>१०</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	MDHN-301		विषय नाम			हिन्दी प्रहसन नाटक एवं भाषा संरचना (Hindi Skit Play & Language Structure)			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		0	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	0	Practical	00	00	00

Pre-requisites:
NIL
Learning Outcome:
छात्रों को नाटक के स्वरूप एवं हिंदी नाट्य परंपरा से अवगत होंगे । छात्रों को पठित नाटक के कथ्य का आस्वादन होंगे । छात्रों को पठित नाट्यकृति में निहित अंध राजा और अंधी शासन प्रणाली से अवगत होंगे । छात्रों को पठित नाट्यकृति से भारतीय समाज की वास्तविकता से परिचित होंगे । छात्रों को नैतिक मूल्यों की जानकारी देकर राष्ट्र के उत्थान की प्रेरणा देना।
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम
पाठ्य पुस्तक:- अँधेर नगरी लेखक: भारतेन्दु हरिश्चंद्र प्रकाशन:-जगतभारती इलाहाबाद

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	भारतेन्दु हरिश्चंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अँधेर नगरी की कथावस्तु ससंदर्भ व्याख्या	15
2	अँधेर नगरी के राजा का चरित्रांकन अँधेर नगरी के गोबर्धनदास का चरित्रांकन अँधेर नगरी का उद्देश्य	15
3	अँधेर नगरी की नाट्यकला अँधेर नगरी की शीर्षक की सार्थकता अँधेर नगरी की भाषाशैली	15

4	कहावतें और मुहावरें:- **मुहावरें:-** -अंग अंग फुले न समाना - बहुत प्रसन्न होना। -अँधेरे का उजाला - एकलौता बेटा -अक्ल घास चरने जाना - अक्ल काम न करना -अपना उल्लू सीधा करना - अपना काम निकालना -आकाश के तारे तोडना - मुश्किल कार्य करना -आग बबूला होना - बहुत क्रोधित होना -ईट का जवाब पत्थर से देना - दुष्टता या कठोरता का पूरी शक्ति से जवाब देना -कलेजे पर सांप लौटना - ईर्ष्या जनित दुःख होना -खून खौलना - क्रोधित होना -डूबते को तिनके का सहारा - दुखी को थोड़ी-सी मदद काफी होती है -लोहे के चने चबाना - बहुत कठिन परिश्रम करना -हुक्का पानी बंद करना - बिरादरी से अलग करना -अंधे के हाथ बटेर लगना - अयोग्य व्यक्ति को अच्छी वस्तु मिलना -आग में घी डालना - उतेजित करना -हक्का-बक्का रहना - आश्चर्यचकित होना -काम तमाम करना - जान से मार डालना -चादर से बाहर पैर फैलाना - आय से अधिक खर्च करना -चुल्लू भर पानी में डूब मरना - लज्जावश मुंह न दिखना -नाक में दम करना - परेशान करना ----------*----------*----------* **कहावतें:-** -अंधों में काना राजा - मूर्खों में थोडा समझदार राजा होता है। -अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता - अकेला आदमी कोई बड़ा काम नहीं कर सकता -आग लगने पर कुँवा खोदना - विपति आने पर बचाव करना -कंगाली में आटा गिला - दुःख में और भी दुःख आना -काला अक्षर भैंस बराबर - बिलकुल निरक्षर -घर का भेदी लंका ढावे - आपसी फुट से दूसरे को फायदा -चोर की दाढ़ी में तिनका - अपराधी का अपराध पकडा जाना -जिसकी लाठी उसकी भैंस - बलवान से सब डरते है -दुधारु गाय की लात भली - जिससे लाभ होता है उसकी फटकार सह लेनी पडती है -न रहेगा बाँस न बजेगी बांसुरी - झगड़े के मूल को नष्ट कर देना -बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद -किसी वस्तु के बारे में किसी को अज्ञानी बताना -भागते भूत की लंगोटी भली - पूरा न मिलने पर जो मिले उसमें संतोष मानना	15

	-हाथ कंगन को आरसी क्या - प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं -इधर कुवाँ उधर खाई - चारों ओर कठिनाइयों का होना -एक अनार सौ बीमार - वस्तु थोड़ी और मांग अधिक -मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक - जिसकी शक्ति मर्यादित हो -लकड़ी के बल बंदर नाचे - भय दिखाने से मूर्ख भी काम करता है -कोयले की दलाली में हाथ काले - बुरे काम का नतीजा बुरा -खग जाने खग की भाषा - साथ काम करनेवाले ही एक दुसरे को जानते है -अँधा क्या चाहे दो आँखे - अनायास जरूरी चीज मिल जाना	

संदर्भ-ग्रंथ

- भारतेंदु के विचार एक पुर्नविचार - चन्द्रभानु सीताराम- पंचशील प्रकाशन कानपुर।
- हिंदी नाट्य सौ वर्ष का सफरनामा- डॉ.अब्दुर्रशीद शेख-प्राश्व प्रकाशन -अहमदाबाद।
- भारतेंदु-लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय - साहित्य भवन-इलाहाबाद।
- हरिश्चन्द्र - शिवनन्दन सहाय- हिंदी समिति- लखनऊ।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	ससंदर्भ व्याख्या	१०	५०	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन	१००
२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो)	१०			
४	कहावतें-मुहावरें	१०			
५	वस्तुनिष्ठ प्रश्न -एक वाक्य - रिक्त स्थान (बारह में से दस)	१०			

Note: AECHN is applicable to all the streams and faculties - B.A., B.Com., BBA, B.It., etc.

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	AECHN-301		विषय नाम			**हिन्दी कहानी एवं भाषागत सज्जता (Hindi Story & Linguistic Finesse)**			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0		0	Theory	25	25	50
Hours	30	0	0	0	0	Practical	0	0	0

Pre-requisites:

NIL

Learning Outcome:

छात्रों को हिन्दी कहानी के स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान होगा ।
छात्रों को हिंदी कहानीकारों के जीवन से परिचित होंगे ।
छात्रों को बन्धुत्व, मैत्री, सौहार्दता, मानवीयता, संवेदनशीलता जैसे मूल्यों की जानकारी देना।
छात्रों को हिंदी कहानी की भाषागत सज्जता से परिचित होंगे ।
छात्रों में व्याकरणगत कौशल्य का निर्माण होंगा और जीवन की दुरूह अवस्था से अवगत होंगे।

(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक: कहानी नयी पुरानी , सम्पादक: सोमेश्वर दत्त पुरोहित, प्रकाशक: नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	**नमक का दारोगा - प्रेमचंद** **अपना अपना भाग्य - जैनेन्द्र कुमार** **हार की जीत - सुदर्शन**	15
2	**मलबे का मालिक - मोहन राकेश** **पर्यायवाची शब्द - निर्दिष्ट व्याकरण में से** **विलोमार्थी शब्द - निर्दिष्ट व्याकरण में से**	15

क्रम	शब्द	**पर्यायवाची शब्द**
१	असुर	दनुज, दैत्य, दानव, निशाचर, राक्षस, रजनीचर, यातुधान आदि
२	अमृत	अमिय, सुधा, सोम, सुरभोग, पियूष
३	अश्व	घोड़ा, हय, सैन्धव, घोटक, वाजि, तुरंग
४	अग्नि	आग, अनल, पावक, वहि, वैश्वानर
५	कुबेर	धनद, यक्षराज, धनापति, पक्षपति, किन्नरेश
६	कृष्ण	गोपीनाथ, केशव, संसारी, गोपीवल्लभ, गिरधर, हरी, दामोदर, यदुनन्दन, माधव, द्वारिकाधीश
७	गणेश	गणपति, गजानन, गजवदन, मूषकवहन, लम्बोदर, एकदंत, विनायक
८	चन्द्रमा	शशि, इंदु, सुधाकर, निशाकर, रजनीपति, सुधांशु, चाँद, हिमांशु, राकेश, मृगांक
९	जल	पानी, नीर, सलिल, पय, वारि, अम्बु, उदक, तोय
१०	दास	नौकर, सेवक, किंकर, भृत्य, परिचारक
११	धरती	धरा, वसुधा, पृथ्वी, मेदिनी, वसुंधरा, धरणी, धरित्री, मही, अचला, अवनि, भू
१२	पवन	अनिल, हवा, वायु, समीर, मारुत
१३	पुष्प	फुल, कुसुम, सुमन, प्रसून, पुहुप
१४	बादल	धन, जलद, मेध, पयोद, वारिद, नीरद, पयोधर, वारीवाह
१५	महादेव	शंकर, शिव, नीलकंठ, त्रिलोचन, भव, पशुपति, शशिशेखर, हर, गिरिजापति, चन्द्रमौली, पिनाकी, महेश्वर, भूतेश्वर
१६	मदिरा	सुरा, वारूणी, मद, शराब, हाला, दारू
१७	राम	रघुपति, राघव, रघुवर, सीतापति, कौशलेन्द्र, दशरथसुत
१८	विष्णु	कमलापति, नारायण, चक्रपाणी, गरुडध्वज, जनार्दन, लक्ष्मीपति, केशव, हरी, माधव
१९	सरस्वती	शारदा, वाग्देवी, भारती, वाणी, वागीश्वरी, विणापाणी, वीनावादिनी, गिरा
२०	सिंह	केहरी, मृगेन्द्र, शेर, केशरी, शार्दुल, वनराज

क्रम	शब्द	**विलोमार्थी शब्द**
१	अग्रज	अनुज
२	आर्य	अनार्य
३	आशा	निराशा
४	अमृत	विष
५	उत्थान	पतन
६	उतीर्ण	अनुतीर्ण
७	कठोर	कोमल
८	आस्तिक	नास्तिक
९	उग्र	शांत
१०	क्षमा	दंड
११	चोर	साधू
१२	चेतना	मूर्छा
१३	दयालु	निर्दय
१४	निंदा	स्तुति
१५	नमक हलाल	नमक हराम
१६	श्लाघा	निंदा
१७	सदाचारी	दुराचारी
१८	बाढ़	सूखा
१९	न्याय	अन्याय
२०	शुभ	अशुभ

संदर्भ-ग्रंथ

- **हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ - सुरेश चौधरी- राधाकृष्ण प्रकाशन-नई दिल्ली।**
- **सामान्य हिंदी - डॉ.हरदेव बाहरी - जैन प्रकाशन मंदिर-जयपुर।**
- **आधुनिक हिंदी कहानी - डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल-वाणी प्रकाशन-नई दिल्ली।**
- **हिंदी कहानी का इतिहास - गोपालराय- राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।**
- **हिंदी कहानी की विकासयात्रा - डॉ.आनंद प्रकाश- लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।**

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०	२५	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन	२५
२	संक्षिप्त टिप्पणी अथवा पर्यायवाची और विलोमार्थी (निर्दिष्ट में से)	१०			
३	वस्तुनिष्ठ प्रश्न- रिक्तस्थान- एक वाक्य (सात में से पाँच)	५			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	३ SEM 3					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	SECHN-301		विषय नाम			**अनुवाद कौशल (Translation Skill)**			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0		0	Theory	25	25	50
Hours	30	0	0	0	0	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को अनुवाद का स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान देना। छात्रों को अनुवाद के प्रकारों की जानकारी होंगी और अनुवाद का महत्त्व और उपयोगिता समझाना। छात्रों को सफल अनुवादक के गुणों की जानकारी के साथ अनुवाद कला से भली भाति परिचित होंगे ।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	**अनुवाद का अर्थ,परिभाषा एवं विशेषताएँ** **अनुवाद की समस्याएँ** **अनुवाद के प्रकार - भावानुवाद, छायानुवाद, शब्दानुवाद, गद्यानुवाद**	15
2	**अनुवाद का महत्व - उपयोगिता** **सफल अनुवादक के गुण** **गुजराती-अंग्रेजी से परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद**	15

संदर्भ-ग्रंथ

अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - जी.गोपीनाथन- राजकमल प्रकाशन- दिल्ली।

अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार - जयंती प्रसाद नौटियल- राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।

अनुवाद का मानक रूप - नीलम खान, तक्षशिला प्रकाशन- दिल्ली।

अनुवाद समस्या एवं समाधान- डॉ.अर्जुन चौहान - अमन प्रकाशन- कानपुर।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०	२५	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन	२५
२	संक्षिप्त टिप्पणी अथवा परिच्छेद का गुजराती-अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	१०			
३	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सात में से पाँच)	५			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA				Branch/Spec.	ARTS			
सत्र	३ SEM 3				Version/Pattern	NEP			
Effective from Academic Year		2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023	
विषय कोड	IKSHN-301	विषय नाम			**हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं भाषा संरचना (National Poetry stream and language structure of Hindi)**				
Teaching scheme					Examination scheme (Marks)				
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0		2	Theory	25	25	50
Hours	30	0	0	0	30	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा का ज्ञान प्राप्ति के साथ हिंदी राष्ट्रीय काव्य के स्वरूप से परिचित होंगे। छात्रों को पठित कविताओं के कवियों के साहित्यिक योगदान से अवगत होंगे। छात्रों को पठित काव्यों के द्वारा साम्प्रतयुग में राष्ट्रीय एकता, बन्धुत्व, सौहार्दता जैसे भावों की जानकारी देना। छात्रों में राष्ट्रीय अस्मिता एवं ममत्व के भाव का निर्माण होगा, छात्रों को हिंदी की राष्ट्रीय कविताओं का आस्वादन होंगे । छात्रों में व्याकरणगत कौशल्य का निर्माण होंगे।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	**मातृभूमि - मैथिलीशरण गुप्त** **सिंहासन खाली करो - रामधारीसिंह दिनकर** **पुष्प की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी**	15
2	**झाँसी की रानी - सुभद्राकुमारी चौहान** **संज्ञा परिभाषा एवं प्रकार**	15
संदर्भ-ग्रंथ		

- हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना-विनोद पुस्तक मंदिर-आगरा।
- हिंदी कविता संवेदना के विविध सोपान - आनंद कुमार राय -अंकित पब्लिकेशन-जयपुर।
- नई कविता में राष्ट्रीय चेतना - डॉ.देवराज पथिक -अमन प्रकाशन-कानपुर।
- आधुनिक हिंदी कविता - डॉ.आलोक गुप्त- प्राराश्व पब्लिकेशन-अहमदाबाद।
- आधुनिक हिंदी काव्य - डॉ.-पाराशर-प्राराश्व पब्लिकेशन-अहमदाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td>आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रश्न क्रम</td><td>प्रश्न प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td><td>कुल अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न</td><td>१०</td><td rowspan="5">२५</td><td rowspan="4">-स्वाध्याय,
-परियोजना
-लिखित परीक्षा
-ग्रुप चर्चा
-उपस्थिति
-बहुविध पद्धति से मूल्यांकन अंक-२५</td><td rowspan="4">५०</td></tr>
<tr><td>२</td><td>संक्षिप्त टिप्पणी</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(सात में से पाँच)</td><td>५</td></tr>
<tr><td colspan="3">OR</td></tr>
<tr><td colspan="3">२५ अंको के केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(३० में से २५)</td><td></td><td></td></tr>
</table>

पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-४

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	४ SEM 4					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year		2024-25				Effective for the batch Admitted in		2023	
विषय कोड	MJHN-401		विषय नाम			**मध्यकालीन हिंदी काव्य (Medieval Hindi Poetry)**			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी के मध्यकालीन साहित्य की जानकारी देना। छात्रों को हिंदी के मध्यकालीन कवियों के साहित्य सृजन से अवगत करवाना। छात्रों को तदयुगीन साहित्य के काव्य रूपों, छंदों, अलंकारों भाषा आदि का ज्ञान होगा। छात्रों को काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी देकर समाज और राष्ट्र उत्थान के लिए प्रेरित होंगे और हिंदी के मध्यकालीन कवियों के जीवन व्यक्तित्व से अवगत होंगे।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक:- प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य संपादक: डॉ.वीरेन्द्रनारायण सिंह **प्रकाशन:- धूमिल प्रकाशन, अहमदाबाद**									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	**गोस्वामी तुलसीदास, मीराबाई, बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व** **इकाई २,३,४ के पठित पदों की ससंदर्भ व्याख्या**	15
2	**गोस्वामी तुलसीदास के बाललीला, मारीच वध, सीताहरण के पदों का अध्ययन**	15
3	**मीराबाई के पद - क्रमिक १ से १९ स्तुति वंदना, विरह यातना तक के पदों का अध्ययन**	15
4	**बिहारी के - १,२,३,४,५,१९,२२,२६,३०,३२,३८,३७,४० क्रम के दोहों का अध्ययन**	15

संदर्भ-ग्रंथ
➢ हिंदी साहित्य का इतिहास - सं-डॉ.नगेन्द्र-नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली। ➢ हिंदी साहित्य का इतिहास - आ.रामचंद्र शुक्ल - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली। ➢ हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - आ.गुलाबराय - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली। ➢ कबीर और जायसी- डॉ.पुरुषोतम बाजपेयी - चन्द्रलोक प्रकाशन-कानपुर। ➢ जायसी एक नई दृष्टि - रधुवंश - लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद। ➢ जायसी ग्रंथावली - आ.रामचंद्र शुक्ल - वाणी-दिल्ली। ➢ हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना - लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन :-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित	१०	५०	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन	१००
२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०			
३	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो)	१०			
५	वस्तुनिष्ठ प्रश्न -एक वाक्य -रिक्त स्थान (बारह में से दस)	१०			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	४ SEM 4					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	MJHN-402		विषय नाम			**हिन्दी एकांकी साहित्य (Hindi One Act Literature)**			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी एकांकी के स्वरूप से अवगत होंगे । छात्रों को हिंदी एकांकी के उद्भव एवं विकास की जानकारी होंगी एवं एकांकिकारों के साहित्यिक योगदान का ज्ञान होगा । छात्रों को पठित एकांकीयों के कथ्य का आस्वादन के साथ निरुपित पौराणिक, ऐतिहासिक, सामाजिक परिस्थितियों से अवगत होंगे । छात्रों को पठित एकांकीयों के माध्यम से नैतिक मूल्यों से रूबरू कराकर आदर्श राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित होंगे और संवेदनात्मक एवं भावात्मक सम्बन्ध विकसित होगा।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक:-पाँच पर्दे संपादक:मोहन राकेश **प्रकाशन:-लोकभारती- इलाहाबाद**									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	हिंदी एकांकी का स्वरूप एवं उद्भव-विकास ससंदर्भ व्याख्या	15
2	जोंक - उपेन्द्रनाथ अश्क औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा	15
3	सड़क - विष्णु प्रभाकर बंदी - जगदीशचंद्र माथुर	15
4	स्ट्राइक - भुवनेश्वर प्रसाद	15

संदर्भ-ग्रंथ
➢ हिंदी एकांकी - सिद्धनाथ कुमार- राधाकृष्ण प्रकाशन- नई दिल्ली। ➢ एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र- वाणी प्रकाशन- दिल्ली। ➢ हिंदी नाटक - बच्चनसिंह- राधाकृष्ण प्रकाशन- नई दिल्ली। ➢ एकांकी सुधा - डॉ.नवनीत चौहान- पार्श्व पब्लिकेशन- अहमदाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td colspan="2">आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रश्न क्रम</td><td>प्रश्न प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td><td>कुल अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>ससंदर्भ व्याख्या अथवा
ससंदर्भ व्याख्या</td><td>१०</td><td rowspan="4">५०</td><td rowspan="4">-स्वाध्याय,
-परियोजना
-लिखित परीक्षा
-ग्रुप चर्चा
-उपस्थिति
-बहुविध पद्धति से मूल्यांकन</td><td rowspan="4">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा
निबंधात्मक प्रश्न</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा
निबंधात्मक प्रश्न</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पणी
(चार में से दो)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>वस्तुनिष्ठ प्रश्न -एक वाक्य -रिक्त स्थान (बारह में से दस)</td><td>१०</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	४ SEM 4					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	MJHN-403		विषय नाम			हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल और रीतिकाल) [History of Hindi Literature (Devotional & Ritualistic Era)]			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी वैष्णव भक्ति के उद्भव एवं विकास से अवगत होंगे । छात्रों को रामभक्ति धारा काव्य प्रवृतियों से अवगत होंगे । छात्रों को गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व-कृतित्व से परिचित होंगे । छात्रों को रामभक्ति धारा काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना। छात्रों को अष्टछाप कवियों से अवगत होंगे । छात्रों को सूरदास के योगदान से परिचित होंगे । छात्रों को रीतिकालीन परिस्थितियों एवं प्रवृतियों से अवगत होंगे । छात्रों को रीतिकाल के नामकरण की जानकारी देना। छात्रों को रीतिकालीन काव्यधाराओं का ज्ञान होगा । छात्रों को रीतिकालीन कवियों की जानकारी देना।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक: प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य, संपादक: डॉ. विरेंद्रनारायण सिंह, प्रकाशक: धुमिल प्रकाशन									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	भक्तिकालीन परिस्थितियाँ: उद्भव एवं विकास रामभक्ति काव्य की प्रवृतियाँ-विशेषताएँ गोस्वामी तुलसीदास: सामान्य परिचय	15
2	कृष्ण भक्ति काव्य की प्रवृतियाँ-विशेषताएँ अष्टछाप कवियों का सामान्य परिचय	15

	सूरदास: सामान्य परिचय	
3	रीतिकाल: नामकरण रीतिकाल: परिस्थितियाँ रीतिकालीन काव्य: प्रवृतियाँ-विशेषताएँ	15
4	रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा: परिचय रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ केशवदास का सामान्य परिचय घनानंद का सामान्य परिचय	15

संदर्भ-ग्रंथ

- हिंदी साहित्य का इतिहास - सं- डॉ.नगेन्द्र- नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आ.रामचंद्र शुक्ल - राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - आ.गुलाबराय- राजकमल प्रकाशन-दिल्ली।
- कबीर और जायसी- डॉ.पुरुषोतम बाजपेयी- चन्द्रलोक प्रकाशन-कानपुर।
- जायसी एक नई दृष्टि - रघुवंश - लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।
- जायसी ग्रंथावली - आ.रामचंद्र शुक्ल - वाणी-दिल्ली।
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना-लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td colspan="2">आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रश्न क्रम</td><td>प्रश्न प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td><td>कुल अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (पहले यूनिट से)</td><td>१०</td><td rowspan="5">५०</td><td rowspan="5">-स्वाध्याय,
-परियोजना
-लिखित परीक्षा
-ग्रुप चर्चा
-उपस्थिति
-बहुविध पद्धति से मूल्यांकन</td><td rowspan="5">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (दूसरे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न (तीसरे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो) (चौथे यूनिट से)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बारह में से दस) (१ से ४ यूनिट से)</td><td>१०</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA				Branch/Spec.	ARTS			
सत्र	४ SEM 4				Version/Pattern	NEP			
Effective from Academic Year	2024-25				Effective for the batch Admitted in	2023			
विषय कोड	MNHN-401		विषय नाम		**हिन्दी एकांकी साहित्य (Hindi One Act Literature)**				
Teaching scheme					Examination scheme (Marks)				
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	४	0	0		4	Theory	50	50	100
Hours	60	0	0	0	60	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिंदी एकांकी के स्वरूप से अवगत होंगे । छात्रों को हिंदी एकांकी के उद्भव एवं विकास की जानकारी होंगी एवं एकांकीकारों के साहित्यिक योगदान का ज्ञान होगा। छात्रों को पठित एकांकीयों के कथ्य का आस्वादन के साथ एकांकीयों में निरुपित पौराणिक, ऐतिहासिक, सामाजिक परिस्थितियों से अवगत होंगे । छात्रों को पठित एकांकीयों के माध्यम से नैतिक मूल्यों से रूबरू कराकर आदर्श राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित होंगे एवं छात्रों में संवेदनात्मक एवं भावात्मक सम्बन्ध विकसित होगा।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक:-पाँच पर्दे संपादक-मोहन राकेश **प्रकाशन:-लोकभारती - इलाहाबाद**									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	हिंदी एकांकी का स्वरूप एवं उद्भव-विकास ससंदर्भ व्याख्या	15
2	जोंक - उपेन्द्रनाथ अश्क औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा	15
3	सड़क - विष्णु प्रभाकर बंदी - जगदीशचंद्र माथुर	15

4	स्ट्राइक - भुवनेश्वर प्रसाद	15

संदर्भ-ग्रंथ
➢ हिंदी एकांकी - सिद्धनाथ कुमार- राधाकृष्ण प्रकाशन- नई दिल्ली। ➢ एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र- वाणी प्रकाशन- दिल्ली। ➢ हिंदी नाटक - बच्चनसिंह- राधाकृष्ण प्रकाशन- नई दिल्ली। ➢ एकांकी सुधा - डॉ.नवनीत चौहान- पार्श्व पब्लिकेशन- अहमदाबाद।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td colspan="2">आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रश्न क्रम</td><td>प्रश्न प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td><td>कुल अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>ससंदर्भ व्याख्या अथवा
ससंदर्भ व्याख्या</td><td>१०</td><td rowspan="4">५०</td><td rowspan="4">-स्वाध्याय,
-परियोजना
-लिखित परीक्षा
-ग्रुप चर्चा
-उपस्थिति
-बहुविध पद्धति से मूल्यांकन</td><td rowspan="4">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा
निबंधात्मक प्रश्न</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>निबंधात्मक प्रश्न अथवा
निबंधात्मक प्रश्न</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पणी
(चार में से दो)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>वस्तुनिष्ठ प्रश्न -एक वाक्य -रिक्त स्थान (बारह में से दस)</td><td>१०</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

Note: AECHN is applicable to all the streams and faculties - B.A., B.Com., BBA, B.It., etc.

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA				Branch/Spec.	ARTS			
सत्र	४ SEM 4				Version/Pattern	NEP			
Effective from Academic Year	2024-25				Effective for the batch Admitted in	2023			
विषय कोड	AECHN-401		विषय नाम		**हास्य व्यंग्य निबंध एवं भाषा संरचना (Humorous Satirical Essays- Language Structure)**				
Teaching scheme					Examination scheme (Marks)				
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)	कुल		CE	SEE	कुल	
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0	2	Theory	25	25	50	
Hours	30	0	0	30	Practical	00	00	00	

Pre-requisites:

NIL

Learning Outcome:

छात्रों को हिन्दी हास्य व्यंग्य विधा का ज्ञान होगा, छात्र निबंध के स्वरूप से परिचित होंगे ।
छात्रों को हिंदी निबंधकारों के जीवन से अवगत होंगे ।
छात्रों को पठित निबंधों के द्वारा समाज में व्याप्त भ्रष्ट्र नीति, पाखंड, अंधविश्वास, धर्मांधता की जानकारी देना और छात्रों को हिंदी निबंध की भाषागत सज्जता से परिचित होंगे और छात्रों में व्याकरणगत कौशल्य का निर्माण होंगा।

(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक:-चुंनिंदा हास्य व्यंग्य संपादक:-हिंदी विभाग -कच्छ विश्वविद्यालय-भुज
प्रकाशन:-गंगा यमुना प्रकाशन-इलाहाबाद

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	अकबरी लोटा - बाबू अन्नपूर्णानंद मेरी मौत के बाद - लतीफ घोंघी	15
2	उधार माँगना भी एक कला है - बरसानेलाल चुतर्वेदी विशेषण की परिभाषा एवं उनके प्रकार:सार्वनामिक, गुणवाचक, संख्यावाचक, परिणामवाचक, प्रविशेषण	15

संदर्भ-ग्रंथ

- निबंध और विविध गध्य - सं.राजेन्द्र मित्र-तक्षशिला प्रकाशन-नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - सं.डॉ.हरिमोहन-तक्षशिला प्रकाशन-नई दिल्ली।

- हिंदी के प्रमुख व्यंग्यकार - स.डॉ.स्मिता चिपलूनकर-अलका प्रकाशन-कानपुर।
- सामान्य हिंदी-डॉ.हरदेव बाहरी - जैन प्रकाशन मंदिर-जयपुर।

❖ **प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन -**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०	२५	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन अंक-२५	५०
२	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो)	१०			
३	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सात में से पाँच)	५			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	४ SEM 4					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	SECHN-401		विषय नाम			औपचारिक-अनौपचारिक पत्रलेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली (Formal, Informal Letter Writing & Terminology)			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0		2	Theory	25	25	50
Hours	30	0	0	0	30	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को पत्र लेखन का ज्ञान देना। छात्रों को पत्रलेखन के प्रारूप की जानकारी होंगे । छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व और उपयोगिता समझाना। छात्रों को आवेदन पत्र की व्यहवारिक जीवन में महता समझाना। छात्रो को प्रशासनिक क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दों से अवगत होंगे ।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	माता-पिता के नाम पत्र लेखन मित्र, आचार्य के नाम पत्र लेखन जिल्ला पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायती पत्र	15
2	स्कूल में शिक्षक पद हेतु आवेदनपत्र बैंक में लिपिक पद हेतु आवेदनपत्र पारिभाषिक अंग्रेजी के हिंदी अर्थ -५६ शब्द - निर्दिष्ट	15

पारिभाषिक शब्दावली :-

क्रम	अंग्रेजी शब्द	हिंदी शब्द
१	APPROVAL	अनुमोदन
२	ACCOUNT	लेखा /खाता
३	AUTHENTIC	अधि प्रमाणित
४	BALLOT PAPER	मतपत्र
५	BIRTH CERTIFICETE	जन्म प्रमाणपत्र
६	BIODATA	जीवनवृत
७	CASHIER	खजांची
८	CONFIDENTIAL	गोपनीय
९	COLLECTOR	समाहर्ता
१०	CURRAPTION	भ्रष्टाचार
११	DICISION	निर्णय
१२	DISCIPLINE	अनुशासन
१३	DRAFT	मसौदा
१४	EXPORT	निर्यात
१५	EMPLOYEE	कर्मचारी
१६	FINANCIAL	वित्तीय
१७	FERTILIZER	उर्वरक
१८	GOVERNOR	राज्यपाल
१९	GRADUATE	स्नातक
२०	GAZETTED	राजपत्रित
२१	INCOME TAX	आयकर
२२	HANDICRAFT	हस्तकला /दस्तकारी
२३	INTERVIEW	साक्षात्कार
२४	IDENTITY	पहचान पत्र
२५	JOURNALISM	पत्रकारिता
२६	LOAN	कर्ज /ऋण
२७	LAW	विधि/कानून
२८	MARKSHEET	अंक सूची
२९	MEMBER OF PARLIAMENT	संसद सदस्य
३०	MANIFESTO	घोषणापत्र
३१	MEETING	सभा /बैठक
३२	NATIONAL ANTHEM	राष्ट्रीय गीत
३३	NOTICE	सूचना

३४	OFFENCE	अपराध
३५	OATH	शपथ
३६	PARLIAMENT	संसद
३७	PEON	चपरासी
३८	PUBLICITY	प्रचार
३९	QUALIFICATION	योग्यता/अर्हता
४०	RESEARCH	अनुसन्धान
४१	RESIGNATION	त्यागपत्र
४२	REPORT	प्रतिवेदन/रिपोर्ट
४३	SKETCH	रेखाचित्र
४४	SURVEY	सर्वेक्षण
४५	THESIS	शोध प्रबंध
४६	TRUE COPY	सही प्रतिलिपि
४७	TRAFFIC	यातायात
४८	TELEGRAM	तार
४९	URBAN AREA	शहरी क्षेत्र
५०	UPSC	संघ लोक सेवा आयोग
५१	VICE CHANCELLOR	कुलपति
५२	VERIFICATION	सत्यापन
५३	WELFARE	कल्याण
५४	WRITING	लेखन
५५	XEROX	नकल/प्रतिलिपि
५६	ZONAL	क्षेत्रीय/आंचलिक

संदर्भ-ग्रंथ

- प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ.रामगोपालसिंह -पार्श्व पब्लिकेशन -अहमदाबाद।
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण तथा रचना डॉ.हरदेव बाहरी।
- कार्यालय कार्यविधि - रामचंद्रसिंह सागर-आत्माराम एंड संस-नई दिल्ली।
- कार्यालयी हिंदी की प्रकृति - चन्द्रपाक शर्मा-संता प्रकाशन-नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे -वाणी प्रकाशन-दिल्ली।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन :-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	निबंधात्मक प्रश्न पत्रलेखन अथवा निबंधात्मक प्रश्न पत्रलेखन	१०	२५	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन	२५
२	संक्षिप्त टिप्पणी -आवेदन पत्र अथवा पारिभाषिक अंग्रेजी के हिंदी अर्थ -१०	१०			
३	वस्तुनिष्ठ प्रश्न-एक वाक्य -रिक्त स्थान (सात में से पाँच)	५			

क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज									
हिंदी अभ्यास समिति									
Programme	स्नातक SYBA					Branch/Spec.	ARTS		
सत्र	४ SEM 4					Version/Pattern	NEP		
Effective from Academic Year			2024-25			Effective for the batch Admitted in			2023
विषय कोड	VACHN-401		विषय नाम			हिंदी साहित्य और बाल मनोविज्ञान **(Hindi Literature & Child Psychology)**			
Teaching scheme						Examination scheme (Marks)			
(Per-week)	Lecture (DT)		Practical (Lab.)		कुल		CE	SEE	कुल
	L	TU	P	TW					
श्रेयांक	२	0	0		2	Theory	25	25	50
Hours	30	0	0	0	30	Practical	00	00	00
Pre-requisites:									
NIL									
Learning Outcome:									
छात्रों को हिन्दी उपन्यास विधा का ज्ञान होने के साथ हिंदी उपन्यास के स्वरूप से परिचित होंगे । छात्रों को मन्नू भंडारी के साहित्यिक योगदान से अवगत होंगे । छात्रों को पठित उपन्यास के द्वारा साम्प्रत समाज में तलाक के कारण बाल मानस पर पड़ने वाला अमिट प्रभाव और उनके दुष्परिणामों की जानकारी होगी एवं विघटित होते परिवारों का ज्ञान होगा।									
(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम									
पाठ्य पुस्तक:-आपका बंटी लेखक:मन्नू भंडारी **प्रकाशन:-राजकमल प्रकाशन-दिल्ली**									

इकाई	विषयवस्तु	Hrs
1	आपका बंटी की कथावस्तु बंटी का चरित्रांकन शकुन का चरित्रांकन	15
2	आपका बंटी का उद्देश्य आपका बंटी शीर्षक आपका बंटी की भाषाशैली	15

संदर्भ-ग्रंथ

- आधुनिक हिंदी उपन्यास - नामवरसिंह-राजकमल प्रकाशन-नई दिल्ली।
- हिंदी उपन्यास - डॉ.रामचंद्र तिवारी-विश्वविद्यालय प्रकाशन-अहमदाबाद।
- हिंदी उपन्यास की संरचना - गोपालराय-राजकमल प्रकाशन-नई दिल्ली।

- उपन्यास स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव-वाणी प्रकाशन-नई दिल्ली।
- हिंदी उपन्यास - सुषमा प्रियदर्शिनी-राधाकृष्ण प्रकाशन-दिल्ली।

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:-**

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	
प्रश्न क्रम	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	कुल अंक
१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न	१०	२५	-स्वाध्याय, -परियोजना -लिखित परीक्षा -ग्रुप चर्चा -उपस्थिति -बहुविध पद्धति से मूल्यांकन अंक-२५	५०
२	संक्षिप्त टिप्पणी (चार में से दो)	१०			
३	वस्तुनिष्ठ प्रश्न-रिक्तस्थान-एक वाक्य। (सात में से पाँच)	५			

सूचनाः- द्वितीय वर्ष के अंत अर्थात सत्र ३ और ४ उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी कॉलेज छोडना चाहते है तो, वह विद्यार्थी चार क्रेडिड का एक एग्जिट कोर्स (निकासी पाठ्यक्रम) की परीक्षा देकर डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते है। इसके लिए विद्यार्थी को लेखिक, मौखिक एवं कार्यक्षेत्र अनुरुप फील्डवर्क करना होगा। इस पाठ्यक्रम में सूचित पुस्तक सामान्य हिन्दी जैन प्रकाशन मंदिर, पाठ्यक्रम में समाहित मुद्दों का अध्ययन, मनन एवं कार्य करना होगा।

<table>
<tr><td colspan="11">क्रांतिगुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय-भुज</td></tr>
<tr><td colspan="11">हिंदी अभ्यास समिति</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme</td><td colspan="3">स्नातक SYBA</td><td colspan="2">Branch/Spec.</td><td colspan="3">ARTS</td></tr>
<tr><td colspan="2">सत्र</td><td colspan="3">४ SEM 4</td><td colspan="2">Version/Pattern</td><td colspan="3">NEP</td></tr>
<tr><td colspan="3">Effective from Academic Year</td><td colspan="2">2024-25</td><td colspan="3">Effective for the batch Admitted in</td><td colspan="2">2023</td></tr>
<tr><td>विषय कोड</td><td colspan="2">SYEXHN</td><td>विषय नाम</td><td colspan="6">EXIT COURSE
प्रयोजन मूलक कौशल</td></tr>
<tr><td colspan="5">Teaching scheme</td><td colspan="6">Examination scheme (Marks)</td></tr>
<tr><td>(Per-week)</td><td colspan="2">Lecture (DT)</td><td colspan="2">Practical (Lab.)</td><td>कुल</td><td></td><td>CE</td><td>SEE</td><td colspan="2">कुल</td></tr>
<tr><td></td><td>L</td><td>TU</td><td>P</td><td>TW</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>श्रेयांक</td><td>2</td><td>0</td><td colspan="2">0</td><td>2</td><td>Theory</td><td>15</td><td>35</td><td colspan="2">50</td></tr>
<tr><td>Hours</td><td>30</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td><td>30</td><td>Practical</td><td>0</td><td>0</td><td colspan="2">0</td></tr>
<tr><td colspan="11">Pre-requisites:</td></tr>
<tr><td colspan="11">NIL</td></tr>
<tr><td colspan="11">Learning Outcome:</td></tr>
<tr><td colspan="11">1. छात्र सामान्य हिन्दी के ज्ञान को प्राप्त करेंगे।
2. पत्राचार रीति से परिचित होंगे।
3. व्यावसायिक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी से अवगत होंगे।</td></tr>
<tr><td colspan="11">(Theory syllabus) विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><td colspan="11">पाठ्य पुस्तक: “सामान्य हिन्दी” लेखक: डॉ. केदार शर्मा प्रकाशक: जैन प्रकाशन मंदिर</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="9">विषयवस्तु</td><td>Hrs</td></tr>
</table>

1	संक्षिप्तीकरण वृद्धिकरण अथवा पल्लवन पत्र-लेखन कार्यालय-टिप्पणी प्रारूप-लेखन	15
2	निविदा-सूचन लेखन विज्ञापन-लेखन अनुवाद सार-लेखन संवाद-लेखन	15
संदर्भ-ग्रंथ		

❖ प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
1	1	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	10	25	25	50
2	2	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	10			
3	1-2	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सात में से पाँच)	05			